St. Montfort School, Bhopal

Media Report on Charity Day
Date: 18th December 2025

In the true spirit of compassion, empathy, and service, St. Montfort School, Bhopal observed two significant days—Charity Day on 18th December and Community Service Day on 19th December 2025 — underlining the school's commitment to holistic education and value-based living.

Charity Day – 18th December 2025
A group of 42 students from Classes 3 to 9, accompanied by 2 teachers, visited two remarkable institutions:

1. Shishu Bhavan – Missionaries of Charity Sisters
2. Mother Teresa Home – Missionaries of Charity

At the old age home, students met 47 women inmates hailing from various states, all under the care and love of the sisters of Missionaries of Charity. The children interacted warmly, sang songs, and brought joy and companionship to the residents. At Shishu Bhavan, students were moved by the loving care provided to abandoned and special children.
These visits helped students see life beyond themselves, fostering a deep sense of gratitude, social responsibility, and empathy.

चैरिटी डे

सेंट मोंटफोर्ट स्कूल, 18 दिसंबर 2025 भोपाल में **चैरिटी डे** का आयोजन अत्यंत उत्साह और सेवा–भावना के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक कक्षा–वर्ग से दो प्रतिनिधियों सहित कुल 42 विद्यार्थियों का एक समूह, शिक्षकों के मार्गदर्शन में अनाथालय एवं वृद्धाश्रम के भ्रमण पर गया। सामुदायिक सेवा कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न हुआ। इसके अंतर्गत छात्रों का एक समूह मिशनरी ऑफ चैरिटी मदर टेरेसा जहांगीराबाद, सिस्टर जेलिन, शिक्षिका श्रीमती रश्मि सचिन एवं मनीष सर गये और दूसरा समूह – निर्मल शिशु भवन, कोटरा सुल्तानाबाद, नेहरू नगर, सिस्टर अमला , श्रीमती फरहीन एवं उपप्राचार्य ग्रीगेरी बा ,ने दौरा किया । कक्षा 3 से 11वीं तक के लगभग 42 छात्र बिना किसी परिवार के सदस्य के अनाथ बच्चों को देखकर वे बहुत प्रभावित हुए और उन्हें एक परिवार की आवश्यकता और महत्व का अहसास हुआ। छात्रों ने उनके साथ बातचीत की और समय बिताया। यह वास्तव में सभी छात्रों के लिए दिल को छू लेने वाला था। इस सेवा–भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न उपयोगी एवं मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। विद्यार्थियों ने गीत गाए, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं तथा वहाँ रहने वाले बच्चों और बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनका मनोरंजन किया। इन गतिविधियों का उद्देश्य न केवल खुशी बाँटना था, बल्कि विद्यार्थियों में जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता, हमदर्दी और सम्मान की भावना को भी प्रोत्साहित करना था। विभिन्न कक्षाओं के प्रत्येक छात्र ने अलग–अलग स्टेशनरी आइटम जैसे पेन, पेंसिल, रबर, कॉपी, इरेजर, प्रसाधन सामग्री जैसे कपड़े धोने का साबुन, नहाने का साबुन, टूथब्रश, टूथपेस्ट और चावल, दाल और गेहूँ का आटा जैसे अनाज का योगदान दिया।

वास्तव में विद्यालय का उद्देश्य न केवल युवा–पीढ़ी की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करना है, बल्कि छात्रों में मानवता पैदा करने का भी काम करना है और इस प्रकार प्यार, खुशी, सम्मान, मानव जाति की सेवा, दान आदि की नींव रखता है।

"सेवा–भावना भगवान और देश के लिए'' सेंट मोंटफोर्ट स्कूल, भोपाल का आदर्श वाक्य स्वयं स्पष्ट है कि मोन्टफोर्ट ने भगवान और अपने देश की सेवा करना सिखाया और विद्यालय के छात्र मानवता और देशभक्ति सीखते हैं।

परोपकार और सामाजिक कल्याण के उद्देश्य से, हमारे स्कूल के छात्रों ने वंचितों और जरूरतमंदों की मदद की। प्रत्येक छात्र ने इसे अपनी जिम्मेदारी मानते हुए स्टेशनरी वस्तुओं से लेकर अनाज, दालें, चीनी आदि तक के लिए उदारतापूर्वक योगदान दिया।

स्नेह भवन जहांगीराबाद, मदर टेरेसा मिशनरी द्वारा संचालित है । जहाँ के लिए विद्यालय के कक्षा तीसरी से लेकर ग्यारहवीं तक के कुल 42 छात्र शामिल हुए। यह कार्यक्रम अपने से बड़ों के प्रति एवं गरीबों के प्रति पूर्ण समर्पण एवं दया भाव को उद्घाटित करता है । छात्रों ने वहाँ पहुँच कर सबसे पहले ईश्वर से प्रार्थना की और बुजुर्गों से
बातचीत भी की। बुजुर्ग लोग अपनी जीवन भुला कर आपसी प्रेम से खुशी से रहते है। उनके मनोरंजन के लिये छात्रों ने प्रस्तुतियाँ दीं।
सभी छात्रों ने वृद्धाश्रम के वातावरण से प्रभावित हो कर उनकी व्यथा को सुना जिसके पश्चात् खाने की सामग्री बाँटी और उनके साथ समय व्यतीत किया। उनकी आँखों में खुशी और छात्रों के लिये प्यार देखकर वे सारे दुःख भूल गए। यह अनुभव वाकई भावुक कर देने वाला था। छात्रों को उन बुजुर्गों से यह सीख मिली कि हमें हर हाल में खुश रहना चाहिये। सभी लोग इन सभी वस्तुओं चीजों से प्रसन्न थे और उन्होंने बच्चों को ढेर सारी आशीर्वाद दिया । विद्यार्थी जरूरतमंदों के प्रति आध्यात्मिक, सामाजिक एवं भावनात्मक अनुभूति से ओत–प्रोत थे।

उपर्युक्त विद्यालय के संचालकों ने छात्रों का अभिवादन एवं आभार व्यक्त किया। इन दोनों सफल कार्यक्रम में प्राचार्य ब्रदर मोनाचन के के, सिस्टर अमला, सिस्टर जेलिन, एवं सभी कक्षा अध्यापिकाओं का पूर्ण योगदान रहा । चैरिटी डे का यह आयोजन सफल एवं प्रेरणादायक रहा, जिसने विद्यार्थियों के मन में सेवा–भावना को सुदृढ़ किया। विद्यालय परिवार इस नेक पहल में विद्यार्थियों और अभिभावकों के अमूल्य सहयोग के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता है। उनके समर्थन से विद्यार्थियों को करुणा, दया और सामाजिक उत्तरदायित्व के वास्तविक मूल्यों को सीखने का अवसर मिला। यह अनुभव निश्चित रूप से बच्चों के व्यक्तित्व विकास में सहायक सिद्ध होगा और उन्हें समाज के प्रति अधिक जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा देगा।
रिपोर्ट प्रस्तुतकर्ता
संगीता हसीजा

,,,,,